INTRODUCTION OF MINISTERS

THE PRIME MINISTER (DR. MANMOHAN SINGH) : Mr. Deputy Chairman, Sir, with your permission, I wish to introduce to you, and through you to this august House, my colleagues who have been inducted in the Council of Ministers recently but who could not be introduced to the House earlier.

Shri Pawan Kumar Bansal, the Minister of Parliamentary Affairs.

Smt. Krishna Tirath, the Minister of State (Independence Charge), in the Ministry of Women and Child Development.

Shri Ajay Maken, the Minister of State in the Ministry of Home Affair.

——————

MOTION OF THANKS ON PRESIDENT'S ADDRESS --- *Contd*

श्री राम नारायण साहू (उत्तर प्रदेश) : धन्यवाद उपसभापति महोदय।

श्री उपसभापति : आपके पास सात मिनट बचे हैं, यह मैं आपको पहले ही बतला रहा हूं।

श्री राम नारायण साहू : हम पूरे अनुशासन का पालन करेंगे।

उपसभापति महोदय, पहले तो मैं राष्ट्रपति महोदया को धन्यवाद देना चाहूंगा कि उन्होंने अपना अभिभाषण हिन्दी में दिया, जो सभी लोगों को बहुत अच्छा लगा। यह दूसरे नेताओं के लिए भी उदाहरण है कि जो लोग अच्छी हिन्दी जानते हैं और हिन्दी बोल भी सकते हैं लेकिन वे फिर भी इंगलिश में बोलते हैं। उन लोगों को यह बात ध्यान में रखनी चाहिए। जो लोग अच्छी हिन्दी नहीं बोल सकते उनकी बात दूसरी है। लेकिन जो लोग हिन्दी जानते हैं उनको हिन्दी में जरूर बोलना चाहिए। उपसभाध्यक्ष जी, दूसरी बात यह है कि कल जिस तरीके से इस अभिभाषण पर यहां बहस स्टार्ट हुई, चुनाव के बाद में राज्य सभा में यह पहला भाषण था और यहां पर पहला भाषण जिस तरीके से प्रारंभ किया गया उसमें गोले बरसने लगे। इस अभिभाषण पर बोलने वाले प्रथम वक्ता श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी जी थे और उन्होंने इस तरीके से बोलना शुरू कर दिया कि शुरूआत में ही हलचल पैदा हो गई। जब अभी शुरूआत ऐसी है तो यह पांच साल कैसे चलेगा। तो हम लोगों को अनुशासन में ही रहकर बोलना चाहिए, चतुर्वेदी जी तो बहुत पुराने आदमी हैं और हम नए आदमी हैं। उनको इस बात का ध्यान रखना चाहिए। वैसे चुनाव से पहले जो कुछ भी हुआ और अब हमको नए तरीके से संबंध स्टार्ट करने चाहिए और सद्भावना के साथ चलना चाहिए। जब कोई बात आती है तो हमको उस तरीके से उत्तर देना चाहिए। लेकिन जिस तरीके से भाषण दिया गया वह दरअसल सदन के खिलाफ है।

उपसभापति महोदय, एक बात बहुत अच्छी हुई है कि भारत के इतिहास में लोक सभा में पहली बार एक महिला को अध्यक्ष बनाया गया है, वह भी दलित महिला को बनाया गया है, उसके लिए मैं बहुत-बहुत बधाई देता हूं। भारत ही एक ऐसा देश है जहां पर हमारी राष्ट्रपति महोदया राजपूत हैं और उपराष्ट्रपति मुस्लिम समुदाय से आते हैं, प्रधान मंत्री जी सिख समुदाय से आते हैं और लोक सभा के जो उपाध्यक्ष बनने वाले हैं वे एस.टी. से संबंधित हैं। इस तरह से यह एक बहुत अच्छा मिश्रण है तथा सभी लोग बधाई के पात्र हैं। लेकिन इसी तरीके से महिला आरक्षण बिल आने वाला है, उसके अंदर भी उस बात को ध्यान में रखा जाए। जिस तरीके से बिल लाया जा रहा है अगर उस तरीके बिल लाया गया तो वह बिल्कुल काला दिन होगा। इसके अंदर बैकवॉर्ड को, दलित को, एस.टी. को और